पहचानें मन की अद्भुत शक्ति को

आपने देखा कि, आत्मा, शरीर को चलाने वाली शक्ति है। हमें थोड़ा यहाँ ध्यान रखना है कि यहाँ मन, आत्मा, बुद्धि, शरीर, सभी शब्द, बीच में आयेंगे, तो हमें परेशान नहीं होना है, बस पढ़ते जाना है। चूंकि मन का विस्तार बहुत है, इसलिए इसके हर एक पहलू को छूना इतना आसान नहीं है, फिर भी प्रयास है कि मन की अद्भुत शक्ति को आप सबके पास पहुँचाया जाये।

मन और कुछ नहीं विचारों का एक समूह है, और यह हमारे हाथ में है कि कौन से विचार उत्पन्न होने चाहिए, कौन से नहीं। आपको हम यह भी बताना चाहेंगे कि एक शांत मन से निकले हुए विचार में किसी भी घाव को भरने की अद्भुत क्षमता होती है। निराशा, दु:ख व हताशा में भी यह उन विचारों का निर्माण कर सकता है, जिन विचारों की मनुष्य कल्पना भी नहीं कर सकता। आपको यह जानकर बहुत हैरानी होगी, मनुष्य शुरु से विचारों से उत्पन्न दु:ख व सुख को महत्व ना देकर हमेशा परमात्मा द्वारा दिया गया दण्ड मानते हैं, कि हमने ऐसा किया, इसलिए ऐसा हुआ, जबकि ऐसा बिल्कुल भी नहीं है।

मन में जो विचार इन इंद्रियों के द्वारा हम आत्मा उत्पन्न करते हैं, उन्हीं विचारों के परिणाम स्वरूप घटनाएं घटती हैं। जब हमारी मेमोरी या संस्कार में शक्तिहीनता, अकेलापन आदि का एक बहुत बड़ा जाल बनता है, तब ऐसी ही विचार रूपी तरंगें, हमारी इंद्रियों को उत्तेजित करती हैं। इस दुनिया का प्रत्येक मनुष्य, सिर्फ यही सोचता है, आखिर मेरे साथ ही ऐसा क्यों होता है! मुझको सारी दुनिया की सज़ा मिलती है। ऐसे ही विचार हमारे मन में आने लग जाते हैं। ऐसा भी माना जाता है कि यह विचार हमारे अंतर्मन के तह तक चले जाते हैं। वैसे आने वाली श्रृंखलाओं में हम अचेतन मन, चेतन मन आदि की चर्चा अवश्य करेंगे।

हम यहाँ सिर्फ आपको एक बात कहना चाहेंगे, हमेशा हमारे मन के दो पक्ष होते हैं। एक सकारात्मक और दूसरा नकारात्मक। अब आज की परिस्थिति में नकारात्मक पक्ष हावी है।

जैसे आज हर कोई डरा हुआ है, कुछ हो ना जाये, कुछ छिन ना जाये, या कुछ चला ना जाये आदि आदि। जबकि कोई भी चीज़ आपसे कभी छूटती नहीं, उसका रूप बदल जाता है, एक ऊर्जा है।

सबसे अच्छा उदाहरण तो पक्षी हैं, जो न तो बीज बोते हैं, ना ही अनाज इकट्ठा करते हैं, फिर भी हमेशा खुश रहते, पता है क्यों? क्योंकि वे भविष्य के बारे में कभी नहीं सोचते। यदि हम आज अच्छा जीयेंगे तो हमारा कल निश्चित ही अच्छा होगा। इसे आप अलग तरह से अपने अंदर नहीं बिठा लेना कि अब हमें काम ही नहीं करना है, नहीं। काम करना है, लेकिन पूर्व संतुष्टता के साथ। हमें मन की ऊर्जा व विचारों की शक्ति का सही उपयोग कर, उससे वो करवा लेना है जिसे कोई नहीं समझ सकता।

लखनऊ-उ.प्र.। मुख्यमंत्री माननीय अखिलेश यादव को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. राधा।

हज़ारीबाग-झारखण्ड। पूर्व सांसद यशवंत सिन्हा को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. हर्षा।

चित्तौड़गढ़-राज.। सांसद सी.पी. जोशी को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. शिवली। साथ हैं ब्र.कु. मधु।

चण्डीगढ़। आर. वेंकटरत्नम,आई.ए.एस., प्रिन्सीपल सेक्रेट्री,पंजाब सरकार को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. पूनम।

पाओंटा साहिब-हि.प्र.। विधायक किनेश जंग को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. सुमन।

गिदड़वाहा-पंजाब। एस.डी.एम. आनंद सागर शर्मा को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. शीला।

ओमशान्ति मीडिया वर्ग पहेली-5

1		2			3	■	4	5	6
	■		■	■	7		■	8	
	■	9	10			■	11		■
■	■	■		■	■	■		■	12
■	■	13		■	14			■	
15	16	■	17			■	■	18	
19		20		■	21		■	■	■
	■		■	22		■	23		24
■	25		26	■	■	27		■	
28		■		■	29				■

बनें विजेता : पहेली के कॉलम को काटकर व पेपर पर चिपकाकर उसके साथ उसका जवाब लिखकर हमें इस मीडिया के पीछे लिखे हुए पते पर भेजें। एक वर्ष के भीतर पूछे गए सभी पहेलियों में जिसका सबसे ज्यादा सही जवाब होगा उन्हें विजाताओं के लिस्ट में शामिल किया जाएगा और वर्ष के अंत में उन्हें आकर्षक ईनाम दिया जाएगा। इसलिए पहेली को ध्यान से पढ़िए, समझिए और भेज दीजिए हमारे पास उसका सही जवाब लिखकर और बनिए वर्ग पहेली के 'विजेता ऑफ द ईयर'।

पहेली की फोटो कॉपी या पोस्ट कार्ड पर भेजा गया पहेली का जवाब मान्य नहीं होगा। पहेली का जवाब भेजें तो उस लिफाफे पर आप अपना भी पूरा पता अच्छी लिखावट में लिखें, अपना मोबाइल नम्बर और हो सके तो अपना ई.मेल आईडी भी लिखकर भेंजें ताकि हमें पहेली का विजेता चुनने में कोई कठिनाई ना हो।

ऊपर से नीचे

1. मेरी तकदीर की....सजाने वाले, चित्र (3)
2. दर्शन, साक्षात्कार (3)
3. नौवां स्थान, नं. नौ (3)
5. महिमा, बखान (3)
6. एक समूह नृत्य, सतयुगी नृत्य (2)
10. सावधानी, माया से बड़ी....रखनी है (5)
11. ....से गहरा गगन से ऊँचा बाबा, समुद्र (3)
12. अतुल्य, अनमोल, (3)
14. किनारा करना, पीछे हटना (4)
15. अगुवा, पहला (3)
16. जलाना, ताप, शोक (2)
20. गुलामी, दासता (3)
23. लालच, लोभ, लालसा (3)
24. योग्यता, गुण (2)
26. समय, ...के पंजे से छुड़ाने वाले (2)
27. समेत, सहित (2)

बायें से दायें

1. भाग्यशाली, नसीब वाला (6)
4. तारा, नक्षत्र, भाग्य (3)
7. अधिकार, कब्जा (2)
8. ईर्ष्या, नफरत, घृणा (2)
9. रक्षा करने वाला, रक्षक (4)
11. ....दिल मुराद हासिल, स्वच्छ (2)
13. मूल तत्व, रस, मुख्य अंश (2)
14. नदी का ऊँचा किनारा, टीला (3)
15. देना, हावभाव, चुकता (2)
17. निमन्त्रण, न्योता (3)
18. कीमत, औकात, गुण (2)
19. तुम बच्चों पर अभी माया की....है, ग्रहण, दुर्दशा (4)
21. .... के राही थक मत जाना, निशा (2)
22. भोजन, आहार (2)
23. गला, ग्रीवा (3)
25. युक्ति, उपाय, ढंग (3)
27. सारा, सम्पूर्ण (2)
28. कार्य, कर्म (2)
29. दिखावा, भभका (4)

- ब्र.कु.राजेश,शांतिवन।